26.10.2023

नागौर पत्रिका

बारह वर्षों से लापता बेटे को पाकर परिजनों के छलके खुशी के आंसू

करीब पांच माह पहले मुम्बई की संस्था को मिला युवक, इलाज कराकर घर पहुंचाया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रियांबड़ी. घर से लापता युवक बारह वर्षों बाद परिजनों से मिलते हुए।

रियांबड़ी @ पत्रिका. श्रद्धा फाउंडेशन कर्जत मुंबई की संस्था की सहयोग से बारह वर्षों से लापता युवक बुधवार को अपने घर पहुंचा। युवक के घर पहुंचते ही परिवार के सदस्यों में उसे जीवित देखकर खुशी के आंसू निकल पड़े। परिवार के सदस्यों ने घर से लापता होने के बाद कई जगहों पर तलाश करने के बाद अपने लाडले के मिलने की आस छोड़ चुके थे। मगर मुंबई की संस्था की मेहनत रंग लाई और लापता युवक को परिजनों तक पहुंचाया। बताया जाता है कि शहर के लिखमाराम माली जो 12 वर्ष पहले घर से गायब हो गया था। जिसको 5 माह पहले जोधपुर कि संस्था को लावारिश मिला। इसकी याददाश्त नहीं होने से अपने गांव व परिवार का नाम नहीं बता पा रहा था। जिसे इलाज के लिए मुंबई भिजवाया था। मुंबई संस्था में इसका इलाज हुआ। फिर धीरे धीरे इसकी मानसिक स्थिति में सुधार आया। मानसिक स्थिति सुधरने पर इसने अपना घर का पता बताया तो संस्था के सोशल वर्कर राकेश कुमावत ने रियांबड़ी के जसराज और मुंशी मुकेश माली से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि लिखमाराम जो गांव रियांबड़ी बता रहा वो नागौर जिले में हैं। इसके पश्चात संस्था के सोशल वर्कर राकेश कुमावत उसको लेकर रियांबड़ी पहुंचे। घर वालों ने बताया कि 12 वर्ष से घर से निकला था। लिखमाराम के सकुशल मिलने से परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। युवक के परिवार जनों ने उसको गले लगाया और भाई व बहनों के खुशी के आंसू छलक गए। श्रद्धा फाउंडेशन संस्था का शहर सहित माली समाज के लोगों ने आभार व्यक्त करते हुए उनका अभिनन्दन किया।

संस्था के राकेश कुमावत ने बताया की संस्था 1988 से मुंबई में चल रही है। संस्था के फाउंडर ट्रस्टी डॉक्टर भरत भटवानी और उनकी पत्नी डॉक्टर स्मिता भटवानी की देखरेख में अब तक लगभग 10 हजार लोगों का मानसिक इलाज कर उन्हें पूर्ण स्वस्थ कर घर पहुंचाया गया है।